3

अजन्ता की गुफायें

(दूसरी शताब्दी पूर्व से सातवीं शताब्दी पूर्व तक)

Ajanta Caves

(From 2nd Century A.D. to 7th Century A.D.)

3.0 भूमिका

अजन्ता की गुफायें महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं। इस क्षेत्र में कुछ अंग्रेज शिकारी, शिकार खेलने के लिए आये जिन्हें इन अद्‌भुत गुफाओं का पता लगा। अजन्ता में कुल 29 गुफायें हैं। इन गुफाओं में छः गुफाओं के चित्र ही स्पष्ट रूप से दीख रहे हैं। शेष गुफाओं के चित्रों की आकृतियां नष्ट हो गयी हैं। अजन्ता की गुफायें *चैत्य* और *विहार* कहलाती हैं। चैत्य गुफा उपासना, पूजा और भक्ति करने के लिए बनाई गयी थीं, जबकि विहार गुफाओं का उपयोग भिक्षुओं के रहने और अध्ययन करने के लिए होता था। अजन्ता की गुफाओं में बुद्ध धर्म से सम्बन्धित मूर्तियां तथा गुफा की दीवारों, छतों तथा खम्भों पर बुद्ध की जातक कथाओं के चित्रण हैं।

कलाकार, गुफाओं के पत्थरों को छेनी और हथौड़ों से सपाट बनाकर उन पर गोबर, पत्थर का चूरा, धान की भूसी मिलाकर पलस्तर कर, और फिर इस प्रकार तैयार दीवारों पर, चित्रकार खनिज व वनस्पति से बनें रंगों के द्वारा चित्र बनाते थे। अजन्ता की गुफाओं में अधिकतर चित्र प्रथम शताब्दी से पांचवी शताब्दी के मध्य बने हैं।

3.1 उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के बाद आप इस योग्य हो जाएंगे कि:–

- अजन्ता की गुफाओं की कला पर प्रकाश डाल सकेंगे;
- अजन्ता की गुफाओं के भित्ति चित्रों के शीर्षक बता सकेंगे;
- अजन्ता की गुफाओं के भित्ति चित्रों के बनाने में उपयोग में लाई गई सामग्री, चित्रों की गुफाओं के नंबर, आकार, चित्रकार, शैली तथा चित्रों के रंगों पर प्रकाश डाल सकेंगे;
- अजन्ता की गुफाओं के भित्ति चित्रों की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कर सकेंगे।

पदमपाणि बोधिसत्व

3.2 पद्मपाणि बोधिसत्व

शीर्षक	–	*पद्मपाणि बोधिसत्व*
माध्यम एवं साधन	–	*टेम्परा, खनिज व वनस्पति के रंग*
रचनाकाल	–	*बाकातक काल लगभग 5 वीं ई.*
आकार	–	*5'9½"*
निर्माण स्थल	–	*गुफा न. 1 अजन्ता*
शैली	–	*बौद्ध चित्र शैली*
चित्रकार	–	*अज्ञात*
स्थान	–	*अजन्ता औरगांबाद, महाराष्ट्र औरंगाबाद*

सामान्य परिचय

गुफा नं. 1 का प्रस्तुत चित्र अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति का है। बोधिसत्व पद्मपाणि के मुखमंडल के चित्रण में करूणा की झलक साफ दिखाई पड़ रही है। भगवान गौतमबुद्ध भावमग्न मुद्रा में नीचे की ओर देख रहे हैं। चित्रकार ने उनकी आंखों में ऐसा प्रभाव बनाया है मानो भगवान ने संसार के कष्टों को दूर करने के लिए ही जन्म लिया। चित्र सुन्दर व अटूट रेखाओं से भरपूर हैं। गले में लहरातीं हुई मनकों की माला, वलय व कंगन, तीन शिखरों वाले मुकुट की शोभा को चित्रकार ने सुन्दर ढंग से बनाया है। मोतियों की माला के बीच में चमकता हुआ नीला मनका बहुत ही सुन्दर बन पड़ा है। महात्मा बुद्ध के सीधे हाथ में नीलकमल शोभायमान है, जिस में हाथ की अंगुलियां जिव्हा से भी अधिक बोल रही हैं।

पाठगत प्रश्नः (3.2)

निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करें:

(क) इस चित्र का शीर्षक पद्मपाणि इसलिए है क्योंकि इनके हाथ में ———— है।

(ख) इस चित्र का माध्यम ———है।

(ग) यह चित्र गुफा नं ————में प्राप्त है

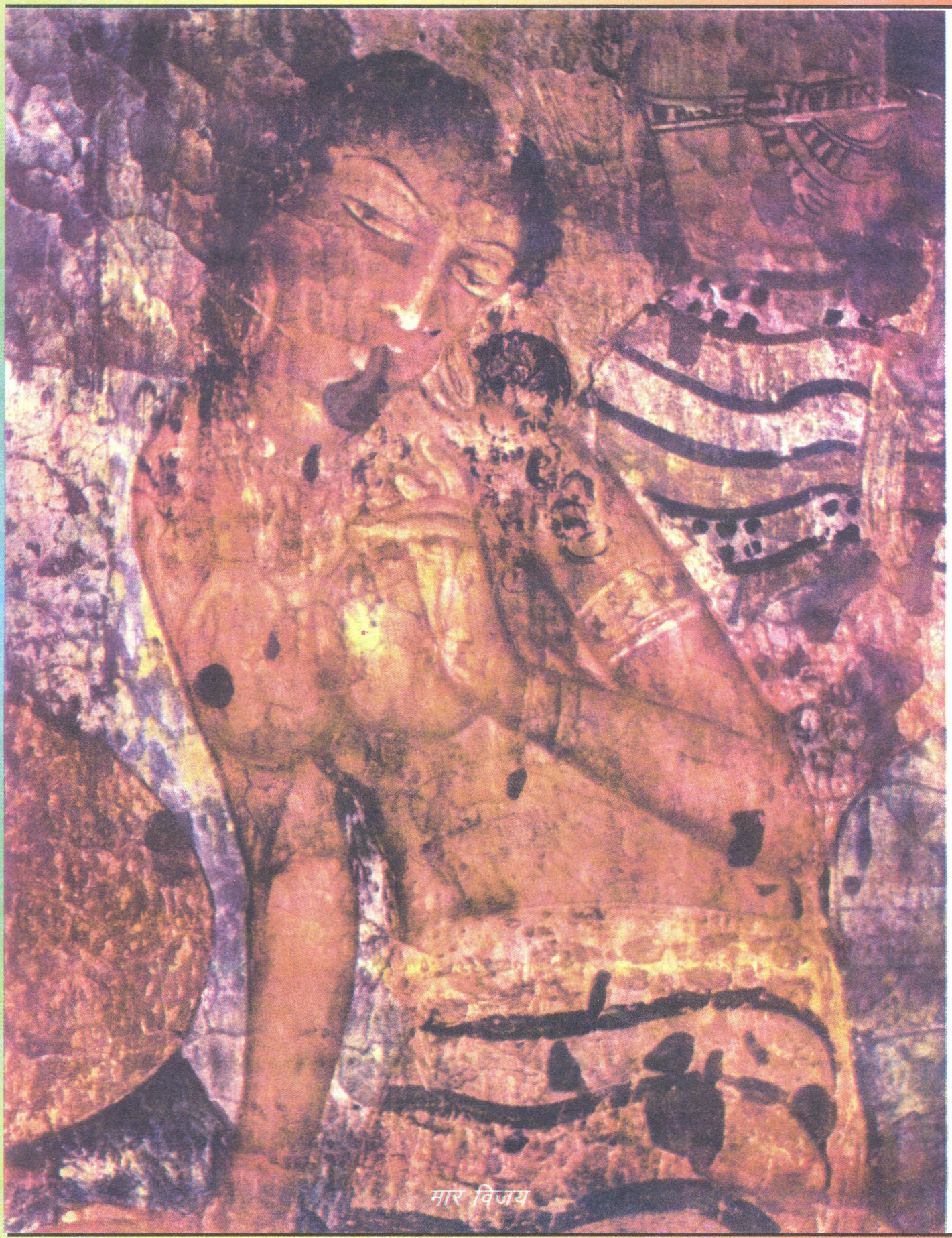

मार विजय

3.3 मार विजय

शीर्षक	–	*मार विजय*
माध्यम एवं साधन	–	*पत्थर, खनिज व वनस्पति रंग*
रचनाकाल	–	*बाकातक काल लगभग 5th–6th ई॰ शताब्दी*
शैली	–	*बौद्ध चित्र शैली*
चित्रकार	–	*इस समय चित्रों पर चित्रकार के नाम लिखने की प्रथा नहीं थी*
स्थान	–	*औरंगाबाद, महाराष्ट्र गुफा न. 2*

सामान्य परिचय

मार–विजय चित्र में भगवान बुद्ध को प्रलोभन पर काबू करते दिखाया गया है। प्रस्तुत मार विजय के प्रसिद्ध चित्र में वातावरण को चित्रकार ने बड़े भयमय रूप में चित्रिणत किया है। इसमें एक स्त्री को क्षमा–याचना के रूप में चित्रित किया गया है, जो खम्बे के सहारे खड़ी है। उसकी कोमल भाव–भंगिमा बड़ी सुन्दर है। ऐसा लग रहा है मानो उसे राजदण्ड का आभास है। चित्र में चित्रित अन्य नारियां भी भय में डूबी हुई हैं जिनमें एक नारी तेज मुड़ने की मुद्रा में है। दूसरी को मुँह छुपाये बनाया गया है। जबकि तीसरी सोच की मुद्रा में खड़ी है। भगवान बुद्ध में करूणा के भाव स्पष्ट दिखाये गये हैं। यह विशाल चित्र 12 फुट ऊँचा और 8 फुट चौड़ा है। चित्र में भगवान बुद्ध को चित्रकार ने इस प्रकार चित्रित किया है कि भगवान तथागत का सौम्य एवं शान्त भाव प्रकट होता है।

पाठगत प्रश्नः (3.3)

सही उत्तर छांट कर लिखिएः

(क) बुद्ध द्वारा प्रलोभन को काबू करने की कहानी का नाम
- (i) दिगविजय
- (ii) तपस्या
- (iii) मारविजय है

(ख) मार विजय चित्र प्राप्त होता है
- (i) गुफा नं 1 में
- (ii) गुफा नं 2 में
- (iii) गुफा नं 9 में

(ग) इस चित्र का आकार
- (i) 12'x20' है
- (ii) 10'x10' है
- (iii) 12'x8' है

3.4 सारांश

विद्वानों की नजर में अजन्ता के भावमय चित्र महात्मा बुद्ध के सिद्धांतों को प्रतिपादित कर रहे हैं। अजन्ता के चित्र दुनिया को दया, प्रेम, अहिंसा और त्याग का पाठ दे रहे हैं।

गुफाओं की दीवारों को खुरदरा कर फिर उन पर गोबर पत्थर के चूरे, धान की भूसी व अन्य वनस्पति व खनिज मिलाकर चित्र बनाने के लिए तैयार किया जाता था। चित्रों में लाल मिट्टी, गेरू, हिरोंजी, रामरज, खड़िया आदि का प्रयोग किया गया है। आकृतियों में गुलाबी, भूरे रंग का प्रयोग किया गया है। स्त्रियों के शरीर की रंग रचना में हरे रंग का प्रयोग भी किया गया है।

अजन्ता के चित्रों का मूल विषय बौद्ध जातक कथाओं का चित्रण करना था। कथा–प्रधान चित्र होने के कारण चित्रों में आकृत्तियां अधिक हैं। मार विजय में भगवान बुद्ध की आकृति, और पद्मपाणि बोधिसत्व की आकृति आदि के चित्रण में कलाकार की कुशल अभिव्यक्ति करने की शक्ति के दर्शन होते हैं।

3.5 पाठगत प्रश्नों के उत्तर :

3.2 : (क) नील पद्म फूल (ख) टेम्परा (ग) गुफा नं. 1 में

3.3 : (क) मार विजय (ख) गुफा नं. 1 में (ग) 12"x8"

3.6 मॉडल प्रश्न

1. अजन्ता की गुफाओं के विषय में आप क्या जानते हैं?
2. अजन्ता की चित्र की प्रविधि के विषय में संक्षेप में लिखिए।
3. अजन्ता को चित्रकारों की कलात्मक उपलब्धि का मूल्यांकन कीजिए।

3.7 शब्द कोश :–

टेम्परा – जल रंग में अंडा आदि मिलाकर रंगीन चित्र

बाकातक – राजवंश, गुप्त कालीन

जातक – बुद्ध की पूर्वजन्म की कहानियाँ